यीशु के लहू की शक्ति को समझना — क्रूस से पहले भी

शालोम!
परमेश्वर के वचन पर मनन करने के लिए आपका स्वागत है।

अधिकांश विश्वासियों को यह ज्ञात है कि प्रभु यीशु मसीह ने गोलगोथा के क्रूस पर अपना लहू बहाया, जब उनके हाथों और पैरों में कीलें ठोंकी गईं और उनके शरीर पर निर्दयता से प्रहार किए गए। उसी बहुमूल्य लहू के द्वारा हमें पापों की क्षमा और आत्मा का छुटकारा प्राप्त होता है।

परंतु बाइबल यह भी प्रकट करती है कि यीशु का लहू पहली बार क्रूस पर ही नहीं बहा। यह उससे पहले, जैतून पहाड़ पर प्रार्थना करते समय बहना आरंभ हुआ।

पर प्रश्न यह है कि वह कैसे बहा?
सामान्य रूप से नहीं, बल्कि पसीने के रूप में।

लूका 22:44
“और वह अत्यन्त वेदना में पड़ा हुआ और भी अधिक मन लगाकर प्रार्थना करने लगा; और उसका पसीना मानो लहू की बड़ी-बड़ी बूँदें होकर भूमि पर गिर रहा था।”

यीशु के लहू की शक्ति को समझना — क्रूस से पहले भी

यह घटना प्रार्थना के समय ही क्यों हुई? क्योंकि केवल शब्द ही हमेशा पिता परमेश्वर तक प्रभावशाली ढंग से नहीं पहुँचते—लहू शब्दों से भी अधिक ऊँची आवाज़ में बोलता है।
यीशु की प्रार्थना के साथ जो लहू भूमि पर गिरा, वह शब्दों से कहीं अधिक सामर्थ के साथ बोल रहा था।

हम इसका एक उदाहरण हाबिल के जीवन में भी देखते हैं। जब हाबिल की हत्या हुई, तब उसका लहू भूमि से पुकार उठा। यद्यपि हाबिल मर चुका था, फिर भी उसका लहू परमेश्वर से बोल रहा था और न्याय की मांग कर रहा था।

उत्पत्ति 4:10
“उसने कहा, तूने क्या किया है? तेरे भाई का लहू भूमि से मेरी
ओर पुकार रहा है।”

परमेश्वर ने उस पुकार को सुना और हत्यारे कैन पर न्याय किया।

इसी प्रकार, यीशु की प्रार्थना और उनके बहाए गए लहू ने क्रूस से पहले ही सामर्थ के साथ बात की। यही कारण है कि उसके बाद

यीशु के लहू की शक्ति को समझना — क्रूस से पहले भी

स्वर्गदूत आकर उन्हें सामर्थ देने लगे।

और बाइबल कहती है कि यीशु का लहू हाबिल के लहू से भी उत्तम बातें बोलता है।

इब्रानियों 12:24
“और नए वाचा के मध्यस्थ यीशु के पास, और छिड़के हुए लहू के
पास, जो हाबिल के लहू से उत्तम बातें बोलता है।”

जब हम यीशु के लहू के इस प्रकाशन को समझते हुए प्रार्थना करते हैं, तब हमारी प्रार्थनाएँ सामर्थी बन जाती हैं।
जब हम विश्वास करते हैं कि उसकी प्रार्थना और उसका लहू हमारे लिए बहाया गया है, तब वह लहू हमारे पक्ष में बोलता है—हमारे शब्दों से भी अधिक प्रभावशाली होकर।

लेकिन जो व्यक्ति विश्वास के बाहर है, उसके लिए वह लहू कार्य नहीं करता।
उसकी सामर्थ को अपने जीवन में सक्रिय करने के लिए हमें:

यीशु मसीह पर विश्वास करना होगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यीशु के लहू की शक्ति को समझना — क्रूस से पहले भी

अपने पापों से मन फिराना होगा

जल-बपतिस्मा और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा लेना होगा

तभी से यीशु का लहू हमारे लिए आशीषों की घोषणा करना शुरू करता है और हमें शैतान पर जय पाने की सामर्थ देता है।

प्रकाशितवाक्य 12:10–11
“अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, सामर्थ, राज्य और उसके मसीह
का अधिकार प्रकट हो गया है, क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगाने वाला गिरा दिया गया है, जो दिन-रात हमारे परमेश्वर के सामने उन पर दोष लगाता था।
वे मेम्ने के लहू के कारण और अपनी गवाही के वचन के कारण उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों को मृत्यु तक भी
प्रिय न जाना।”

प्रभु आपको आशीष दे।
इस शुभ समाचार को दूसरों के साथ साझा करें।

यीशु के लहू की शक्ति को समझना — क्रूस से पहले भी

यदि आप जानना चाहते हैं कि निःशुल्क रूप से यीशु को अपने जीवन में कैसे स्वीकार करें, तो कृपया इस लेख के नीचे दिए गए संपर्क नंबरों पर हमसे संपर्क करें।

प्रभु आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp